OPTIMUM
INTERNATIONAL SCHOOL

CLASS –VIII

Hindi. **Date:-22/04/2020**

नीचे दिए गए प्रश्नों के उत्तर अपनी उत्तर पुस्तिका में लिखें।

(पाठ-1) के आधार पर।

4. **दीर्घ उत्तरीय प्रश्न**

(क) आज समाज की स्थिति मृतक के समान क्यों है?

(ख) प्रस्तुत कविता में कवि हमें क्या करने के लिए प्रेरित कर रहा है?

(ग) विषम शृंखलाओं से कवि का क्या अभिप्राय है?

5. **निम्नलिखित पद्यांश के आधार पर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए।**

(क) प्रथम चरण है नए स्वर्ग का
है मंजिल का छोर
इस जन-मंथन से उठ आई
पहली रत्न हिलोर
अभी शेष है पूरी होना
जीवन-मुक्ता डोर
क्योंकि नहीं मिट पाई दुख की
विगत साँवली कोर
ले युग की पतवार
बने अंबुधि महान रहना
पहरुए, सावधान रहना।

(*i*) समाज किस कारण मृत है?

(*ii*) यहाँ 'घर' किसका पर्याय है?

(*iii*) यहाँ 'कमज़ोर' से क्या तात्पर्य है?

(ख) ऊँची हुई मशाल हमारी
आगे कठिन डगर है
शत्रु हट गया, लेकिन उसकी
छायाओं का डर है।

(*i*) हमारी मशाल कैसे ऊँची हुई?

(*ii*) कवि के अनुसार कठिन डगर क्या है?

(*iii*) यहाँ 'शत्रु की छाया' का क्या अभिप्राय है?

16/04/2020 को दिये गए प्रश्नों के उत्तर यहां से मिलान करें।

मौखिक

1. छात्र स्वयं करें।
2. (क) कवि स्वतंत्रता प्राप्ति की बात कर रहे हैं।
   (ख) जन-मंथन से देश के नागरिक जागरूक हो गए हैं।
   (ग) हम ऊँचाइयों पर पहुँचते जा रहे हैं लेकिन आगे का रास्ता कठिन है, जहाँ हमें शत्रुओं का खतरा नज़र आ रहा है।
   (घ) इस कविता में 'पहरुए, सावधान रहना' पंक्ति को बार-बार दोहराया गया है, क्योंकि स्वतंत्रता प्राप्ति के बाद देश की रक्षा के लिए तत्पर रहना अब और भी आवश्यक हो गया है।

लिखित

1. (क) पहरुए को सावधान कर रहा है (✓) (ख) दीपक (✓) (ग) समुद्र (✓)
   (घ) सीमाओं का (✓) (ङ) समाज का (✓)
2. (क) कवि चंद्रमा को दीप्तिमान रहने को कह रहा है।
   (ख) जन गंगा से कवि का तात्पर्य मानव रूपी समूह से है।
   (ग) कवि देश के नागरिकों को अचल दीपक के समान रहने के लिए कहता है।
3. (क) कवि सावधान रहने को कह रहा है, क्योंकि स्वतंत्रता प्राप्ति के बाद देश की सीमाओं पर शत्रुओं का खतरा है। इसलिए हमें सजग रहकर देश की रक्षा के लिए तैयार रहना पड़ेगा।
   (ख) समस्त दिशाएँ खुलने से कवि का तात्पर्य राष्ट्र की स्वतंत्रता से है।
   (ग) हवाएँ, सीमाएँ व प्रतिमाएँ शब्दों द्वारा कवि ने क्रमशः परतंत्रता के युग को बाँधने वाली हवाओं, अवरुद्ध और सिमटी देश की सीमा तथा पुराने शासकों की प्रतिमाओं के बारे में कहा है।
   (घ) कवि को देश की सीमा से शत्रु के पीछे हटने के बाद भी उसकी छायाओं का भय है।
   (ङ) इस कविता का मुख्य स्वर स्वतंत्रता प्राप्ति के बाद अपने देश की रक्षा के लिए सावधान रहने से है। देश के रक्षकों को देश के नव-निर्माण तथा सुरक्षा के प्रति सजग रहना चाहिए।

**Link of Optimum Online E-Learning Platform:- www.optimumschool.net/online
In case of any query call at +91-9818033213